



HISTORY

Book I

DSC I

***MODERN AND CONTEMPORARY
WORLD HISTORY-I: 1871-1919 CE***

HIST (A) 305

Chapter

1

Contemporary World

Meaning & Features

समकालीन

इतिहास का अर्थ

वह काल जिसकी घटनाओं
को इतिहासकार ने अपनी
आँखों से देखा हो उसे
समकालीन इतिहास कहते
हैं।

**समकालीन इतिहास संबंधी विभिन्न
मत**

1914-1920

1914-1945

**1945 से लेकर आज तक का इतिहास
समकालीन इतिहास कहलाता है**



समकालिन इतिहास

की समस्याएं



स्रोतों की उपलब्धता न होना
महत्वपूर्ण व्यक्तियों से संबंधित
जानकारी गुप्त रखना :-
बोस, कश्मीर, 1962 का चीन से
युद्ध, बाबरी मस्जिद, गांधारा
कांड



**इतिहासकारों का नीजी
दृष्टिकोण**

**पक्षपात और पूर्वाग्रह तथा
आलोचनात्मक दृष्टिकोण का
न होना**



निष्कर्ष रहित होना

**कोई भी घटना का अंत नहीं
हुआ है- भारत-पाक संघर्ष,
अमेरिका-रूस संघर्ष, अरब-
इजराइल युद्ध, आतंकवाद**



विशेषज्ञां

विश्व का एकीकरण

ग्लोबलाइजेशन, संयुक्त राष्ट्र
संघ, ओलिम्पिक, बहुराष्ट्रीय
कंपनियां, पर्यटन, सामरिक गुट
- नाटो, सीटों, सेंटो



साम्राज्यवाद का अंत

तीसरा विश्व

भारत, श्रीलंका, बर्मा, ब्राजील,
कैमरून, नाइजीरिया, इंडोनेशिया,
मोरक्को, लीबीया, सुडान इत्यादी

पूँजीवाद—साम्यवाद में संघर्ष

यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका में
पूँजीवाद रूस क्यूबा तथा चीन
में साम्यवाद



सामाजिक न्याय की स्थापना

मौलिक अधिकार, समानता,

लैंगिक भेदभाव की समाप्ति,

दास प्रथा की समाप्ति



राज्य के कार्यों में परिवर्तन

युद्ध व साम्राज्यवाद का त्याग
कल्याणकारी कार्यों का आरंभ



शीत युद्ध का आरंभ

अमेरिका व साम्यवादी रूस
विश्व का दो धड़ों में बंट जाना
बिना हथियारों का युद्ध



गुट निरपेक्ष आंदोलन

1961 में स्थापना

जवाहरलाल नेहरू, भारत

गमाल अब्दुल नासिर, मिस्त्र



बेरोज टीटो, युगोस्लाविया

डॉ. सुकर्णा, इंडोनेशिया

क्वामें एनकूमा, घाना



तीसरे विश्व के

विकासशील देशों ने किसी

भी गुट में जाने से मना

किया



संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका का विस्तार

निःशास्त्रीकरण, शांतिपूर्ण विवादों
का निपटारा, वैश्विक बीमारियों
की रोकथाम



कश्मीर विवाद, भारत-पाक

येरूशलम विवाद, इजरायल-अरब

नस्लीय भेदभाव-द. अफ्रिका

इराक-अमेरिका संघर्ष

स्वेज नहर विवाद, मिस्त्र 1956



लोगों का बौद्धिक व सांस्कृतिक

विकास

धर्म की जगह तकनीक व
विज्ञान को अपनाना आरंभ
किया



वैश्विक समस्याओं पर ध्यान दिया

जाने लगा

गरीबी, बेरोजगारी, आर्थिक

महामंदी, बढ़ती जनसंख्या, परमाणु

युद्ध को रोकना



